क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 75, मंगलवार, 09 अप्रैल, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

मायावती ने फिर बोला मोदी पर हमला, कहा-रैली की भीड़ देखकर भाजपा वाले 'नमो-नमो' करना भूल जाएंगे

मेरठ। बसपा प्रमुख मायावती ने सोमवार को केन्द्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस सरकार ने पूरी तैयारी के बिना नोटबंदी और जीएसटी को लागू किया था जिससे देश में गरीबी तथा बेरोजगारी और बढ़ गई । उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी के चलते भाजपा का जाना तय है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ''मैं भी चौकीदार'' अभियान पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चौकीदार की नाटकबाजी भी भाजपा को उत्तर प्रदेश में नहीं जिता पाएगी। मायावती ने कहा कि आज की रैली की भीड़ देखकर भाजपा वाले 'नमो-नमो' करना भूल जाएंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यहां के लोग अब गठबंधन के उम्मीदवारों को रिकॉर्ड वोटों से जिताएंगे और भाजपा उम्मीदवारों को बुरी तरह से पराजित कर देंगे। मायावती ने हापुड़ रोड पर पार्टी की चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि देश में दलित, अल्पसंख्यकों का उत्पीडन बढ़ा है। खासकर जिन राज्यों में भाजपा की सरकार हैं वहां उत्पीडन ज्यादा है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने नोटबंदी और जीएसटी को पूरी तैयारी के बगैर लागू किया जिससे देश में गरीबी, बेरोजगारी और बढ़ गई। छोटे तथा मध्यम वर्गीय व्यापारी दुखी हैं। उन्होंने कहा कि देश की सीमाएं सुरक्षित नहीं है और आये दिन आतंकवादी घटनाएं होती रहती हैं। भाजपा ने कांग्रेस की तरह ही अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए सीबीआई का प्रयोग कर विपक्षी दलों के नेताओं को फंसाकर कमजोर करने की कोशिश की हैं, जो लगातार जारी है।

वित्त मंत्रालय से चुनाव आयोग की अपील, प्रवर्तन एजेंसियों से निष्पक्ष रहने को कहें

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने वित्त मंत्रालय को रविवार को सलाह दी कि चुनाव के दौरान उसकी प्रवर्तन एजेंसियों की कोई भी कार्रवाई निष्पक्ष'' और भेदभाव रहित'' होनी चाहिए। आयोग की यह सलाह उन आरोपों के बीच आई है कि सरकार चुनावी मौसम में विपक्षी पार्टियों को निशाना बनाने के लिए इन एजेंसियों का प्रयोग कर रही है। केंद्रीय राजस्व सचिव को लिखे पत्र में आयोग ने कहा कि वह, च्सभी एजेंसियों को सख्त सलाह देते हैं कि चुनाव के दौरान सभी कानूनी कार्रवाइयां भले ही स्पष्ट रूप से चुनावी कदाचार को रोकने के लिहाज से की गई हों, पर वे पूरी तरह निष्पक्ष एवं भेदभाव रहित होनी चाहिए।'' वित्तीय अपराधों से निपटने के लिए आयकर विभाग, प्रवर्तन निदेशालय एवं राजस्व खुफिया निदेशालय राजस्व विभाग की कार्यकारी शाखाएं हैं। आयकर विभाग ने रविवार को मध्य प्रदेश में छापेमारी की और हाल ही में कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में भी छापेमारी की थी। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि कुछ वर्षों में मतदाताओं का मत बदलने की मंशा से धनबल का इस्तेमाल निष्पक्ष, नैतिक एवं विश्वसनीय चुनाव कराने में बड़ी चुनौती के तौर पर उभरा है।

दिल्ली-एनसीएर में भी धूल भरी आंधी और बारिश के आसार

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने सोमवार को आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और बेहद हल्की बारिश तथा धूल भरी आंधी का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। हालांकि इसकी तीव्रता रविवार से कम रहेगी। राजधानी में रविवार दोपहर तापमान के 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाने के बाद शाम को आई आंधी और बारिश से तापमान में छह से सात डिग्री की गिरावट आई। बारिश और आंधी की वजह से रविवार रात 8 से 10 बजे के बीच दिल्ली से 5 उड़ानों को लखनऊ की ओर मोड़ा गया। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि विस्तारा की 2, एयर इंडिया की 2 और गल्फ एयर की 1 उड़ान को लखनऊ हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया गया है । दिल्ली के कई हिस्सों में बिजली चमकने और धूल भरी हवा चलने के साथ हल्की बारिश हुई। पालम और सफदरजंग वेधशाला में हवाओं की गति प्रति घंटे 40-50 किलोमीटर दर्ज की गई। मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट के सीईओ जतिन सिंह ने कहा कि आईजीआई ने रात आठ बजे 50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चलने की जानकारी दी है। यह गति आगे और बढ़ सकती है। मौसम विभाग ने बताया कि पालम वेधशाला में 4.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। दोपहर के वक्त अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रहा। यह शनिवार को दर्ज किए गए अधिकतम तापमान से चार डिग्री सेल्सियस कम था। न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो मौसम के औसत से छह डिग्री ज्यादा था। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि आंधी के बाद तापमान में छह-सात डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई। मौसम वैज्ञानिक उत्तर भारतीय मैदानी क्षेत्र में अत्यधिक तापमान और पूर्वोत्तर राजस्थान, दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश, दक्षिण हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के ऊपर बने चक्रवाती प्रसार को आंधी का कारण बता रहे हैं। अगले 24 घंटों के दौरान पूर्वोत्तर के असम, मेघायल, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और गांगेय पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में तेज हवाओं के साथ आंधी चलने के आसार है। मौसम विभाग के अनुसार अरुणाचल प्रदेश, उप हिमालयी क्षेत्र, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, झारखंड, बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश, आंतरिक तमिलनाडु, आंतरिक कर्नाटक और केरल के विभिन्न हिस्सों में इस दौरान गरज के साथ आंधी आने की संभावना है।

बैंक मानहानि मामला: राहुल गांधी और सुरजेवाला के खिलाफ समन जारी

नेशनल डेस्क (एजेंसी) ।

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की मुश्किले बढ़ सकती हैं। गुजरात के अहमदाबाद की एक मेट्रो अदालत ने मानहानि के एक मामले में आज राहुल गांधी और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला को समन जारी कर 27 मई को इसके समक्ष पेश करने के आदेश दिये। अहमदाबाद जिला सहकारी बैंक के अजय पटेल ने अदालत में मानहानि का मामला दर्ज कराया था। इस बैंक के निदेशकों में भाजपा के अध्यक्ष अमित शाह भी शामिल हैं। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट एस के गढ़वी की अदालत ने इस मामले को प्रथम दृष्ट्या मानहानि का मामला मानते राहुल गांधी और सुरजेवाला को समन जारी किया। अदालत ने गत 27 अगस्त को इस मामले की जांच के आदेश दिये थे और बाद में साक्ष्यों की जांच की गयी थी। पिछले साल जून में सुरजेवाला ने एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया था कि इस बैंक में आठ नवंबर 2016 को नोटबंदी की घोषणा के बाद मात्र पांच दिन में ही 745.58 करोड रूपये के पुराने रद्द किये गये 500 और 1000 रूपये के नोट बदल दिये थे। उस अवधि में देश के कुल 370 जिला सहकारी बैंक में नोटों की ऐसी यह सबसे बड़ी अदलाबदली थी। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया था कि बैंक के चेयरमैन पटेल स्वयं भाजपा के एक नेता हैं और शाह के करीबी सहयोगी हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि गुजरात में भाजपा नेताओं की अध्यक्षता वाले 11 जिला सहकारी बैंकों ने नोटबंदी के पहले पांच दिन में ही 3,118.51 करोड़ रूपये जमा कराये गये थे। राहुल गांधी ने भी इस मामले में शाह और भाजपा पर निशाना साधते हुए 22 जून को ट्वीट किया था कि 'बधाई हो अमित शाह जी, निदेशक, अहमदाबाद जिला सहकारी बैंक। आपके बैंक ने पुराने नोटों को बदलने में पहला पुरस्कार हासिल किया है। महज पांच दिन में ही 750 करोड़ रूपये। करोड़ो भारतीय जिनकी जिंदगी नोटबंदी ने बर्बाद कर दी थी, आपकी इस उपलब्धि को सलाम करते हैं। पटेल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं के झूठे आरोपों ने बैंक की छवि को नुकसान पहुंचाया है और इसके लिए उनके खिलाफ मानहानि का मामला चलाया जाना चाहिए। बता दें कि 8 नवंबर 2016 को प्रधानमंत्री मोदी ने 500 और 1000 के नोटों को बंद करने का फैसला लिया था और जनता को बैंकों में अपने पास जमा पुराने नोट बदलवाने के लिए 30 दिसंबर 2016 तक यानी 50 दिनों का समय दिया गया था।

राम मंदिर, 35ए से लेकर किसानों को पेंशन, भाजपा के संकल्प पत्र की बड़ी बातें

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

भाजपा ने सोमवार को लोकसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया। पार्टी ने इसे संकल्प पत्र नाम दिया है। भाजपा के घोषणा पत्र में किसानों, व्यापारियों स्वास्थ्य, शिक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा को अहमियत देते हुए कई घोषणाएं की। साथ राम मंदिर और जम्मू-कश्मीर में धारा 35-ए को भी अपने संकल्प पत्र में जगह देते हुए कई बड़े वादे किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी अध्यक्ष अमित शाह, केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली, केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह और सुषमा स्वराज ने भाजपा का संकल्प पत्र जारी किया। भाजपा ने फिर से सत्ता में आने पर किसान की दशा सुधारने के लिए कई कदम उठाने का भी वादा किया। भाजपा ने किसानों को सालाना आय सहायता के लिए 6,000 रुपए और 60 वर्ष से अधिक आयु वाले लघु और सीमांत किसानों को पेंशन देने का वादा किया है। किसान क्रेडिट कार्ड पर 1 लाख तक लोन पर पांच साल तक कोई ब्याज नहीं। 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वादा दोहराया और कहा इस दिशा में मोदी सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं। छोटे व्यापारियों को 60 साल की अधिक उम्र होने पर पेंशन की सुविधा। व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए राष्ट्रीय व्यापारी आयोग गठित किया जाएगा। राष्ट्रवाद के प्रति प्रतिबद्ध है और आतंकवाद पर 'जीरो टालरेंश' की उसकी नीति जारी रहेगी। पार्टी ने सामान नागरिक संहिता की प्रतिब्धता भी व्यक्त की है।

सीमा पर अवैध घुसपैठ को रोकने तथा नागरिकता संशोधन विधेयक को संसद के दोनों सदनों में पारित कराने का वादा किया है। आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के लिए संग्रहालय बनाने, महिलाओं की सुरक्षा और तीन तलाक की कुप्रथा को समाप्त करने के लिए कानून बनाने तथा वर्ष 2022 तक सभी बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए पूर्ण टीकाकरण का वादा किया है। 5 साल में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या घटाकर आबादी के 10 प्रतिशत से कम पर लाने का वायदा किया है। अगले पांच साल में बुनियादी ढांचे पर 100 लाख करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।'' खाद्य सुरक्षा के तहत 80 करोड़ लोगों को गेंहू, चावल, मोटा अनाज दे रहे हैं। इसके साथ अब चीनी को भी जोड़ा जाएगा, जिसके तहत 80 करोड़ लोगों को 13 रुपए किलो प्रति माह दी जाएगी। जम्मू-कश्मीर से धारा 35-ए हटाने की कोशिश। धारा 35 ए जम्मू-कश्मीर के गैर स्थाई निवासियों और महिलाओं के खिलाफ भेदभावपूर्ण और राज्य के विकास में भी बाधा है। इसके साथ ही इसमें धारा 370 पर भी संकल्प है राम मंदिर का निर्माण कराने की हरसंभव कोशिश करेंगे। राम मंदिर पर सभी संभावनाएं तलाश करेंगे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मंदिर निर्माण की कोशिश होगी। 5 किलोमीटर के दायरे में बैंक की सुविधा उपलब्ध कराने तथा मेडिकल सुविधा और शिक्षा का विस्तार करने के लिए देश में 75 नए मेडिकल कालेज स्थापित करने का संकल्प।

देश को मजबूत बनाने में 'राष्ट्रवाद हमारी प्रेरणा, अन्त्योदय दर्शन और सुशासन मंत्र है' : मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भाजपा का संकल्प पत्र जारी करते हुए कहा कि देश को सभी क्षेत्रों में मजबूत बनाने में 'राष्ट्रवाद हमारी प्रेरणा, अन्त्योदय दर्शन और सुशासन मंत्र' की तरह है। मोदी ने जोर दिया कि 2047 में आजादी के 100 वर्ष पूरे होने पर देश की युवा शक्ति नए भारत का आधार बनेगी। उन्होंने कहा कि गांव, गरीब और किसान उनकी सरकार के कार्यों के केंद्र में हैं। लोकसभा चुनाव 2019 के लिए भाजपा का संकल्प पत्र जारी करने के बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा संकल्प पत्र, सुशासन पत्र भी है। राष्ट्र की सुरक्षा का पत्र भी है। राष्ट्र की समृद्धि का पत्र भी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 2022 में जब आजादी के 75 साल होंगे तब आजादी की जंग लड़ने वाले महापुरुषों के सपनों का भारत बनाने के लिए हमने 75 लक्ष्य तय किए हैं। मोदी ने कहा कि हमारे समाज में विविधताएं हैं। भाषाएं, जीवन स्तर, शिक्षा आदि की विविधता है। इसलिए विकास को बहुस्तरीय बनाने के लिए हमने अपनी योजना को संकल्प पत्र में समाहित किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली में एयर कंडीशन में बैठे लोग गरीबी को नहीं हरा सकते। गरीब ही गरीबी को हरा सकती है। यह हमारा मंत्र है और इसलिए हमने गरीबों के सशक्तिकरण पर बल दिया है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में गरीबों की आर्थिक मदद के लिए 'न्याय योजना' का वादा किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम देश को समृद्ध बनाने के लिए, जन भागीदारी और लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देते हुए, हम एक मिशन, एक दिशा को लेकर आगे बढ़ेंगे।

चुनाव आयोग की आपत्ति के बाद कांग्रेस ने अभियान के मुख्य गीत से हटाईं कुछ पंक्तियां

नई दिल्ली। कांग्रेस को अपने प्रचार अभियान के मुख्य गीत से कुछ पंक्तियां हटानी पड़ीं जिनमें स्पष्ट तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा गया था। सूत्रों ने बताया कि चुनाव आयोग की आपत्ति के बाद पार्टी को इन पंक्तियों को हटाना पड़ा। चुनाव आयोग के सूत्रों ने बताया कि आयोग की मीडिया निगरानी समिति ने शनिवार को इन पंक्तियों पर आपत्ति जताई थी। पंक्तियां हटने के बाद गाने को जारी करने की मंजूरी मिल गई। आयोग ने लोकसभा चुनाव के लिए राजनीतिक विज्ञापनों एवं प्रचार विज्ञापनों एवं प्रचार सामग्री को मंजूरी देने के लिए राज्य एवं जिला स्तर पर मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति (एमसीएमसी) गठित की है।

ऑफ द रिकॉर्ड: भाजपा कई सीटों को लेकर दुविधा में

नेशनल डेस्क (एजेंसी) ।

भाजपा पंजाब, चंडीगढ़ व दिल्ली में सीटों को लेकर कई मुश्किलों का सामना कर रही है और टिकटों के बंटवारे की घोषणा भी रोकी हुई है। यहां तक कि हरियाणा में भी बहुत मुश्किल से उम्मीदवारों की घोषणा की गई और रोहतक व हिसार से अब तक उम्मीदवार घोषित नहीं किए गए। ऐसा मालूम पड़ता है कि भाजपा नेतृत्व इस बात का फैसला नहीं कर पाया है ।

कि रोहतक सीट पर किसी जाट उम्मीदवार को खड़ा करे या गैर-जाट को। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के समर्थन से हाल ही में भाजपा में शामिल हुए 2 बार के सांसद कुलदीप शर्मा करनाल लोकसभा सीट से मजबूत उम्मीदवार थे। लेकिन खट्टर आर.एस.एस. कार्यकर्त्ता संजय भाटिया को टिकट दिए जाने के हक में थे। भाजपा को लगता है कि रोहतक सीट पर गैर-जाट उम्मीदवार को खड़ा करना सही रहेगा। पिछले लोकसभा चुनावों में मोदी लहर के वक्त भी भाजपा हरियाणा में 3 सीटें जीतने में विफल रही थी जिनमें रोहतक भी शामिल है। खट्टर ने मोदी से वादा किया है कि अगर टिकटों का बंटवारा समझदारी से किया जाए तो सभी 10 सीटों पर जीत का परचम फहराया जा सकता है। ऐसा इसलिए कहा गया क्योंकि 8 में से 3 मौजूदा सांसदों के टिकट काट दिए गए। यहां तक कि मेनका गांधी को भी यू.पी. में अपने मजबूत गढ़ से चुनाव लड़ने को कहा गया। दिलचस्प बात है कि कांग्रेस ने हरियाणा, दिल्ली और पंजाब की 4 सीटों से अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है जिनमें संगरूर भी शामिल है। संगरूर में आम आदमी पार्टी के भगवंत मान मौजूदा सांसद हैं। माना जा रहा है कि कांग्रेस 'आप' के लिए संगरूर और गोवा की एक सीट छोड़ सकती है। इसी तरह कहा जा रहा है कि भाजपा नेतृत्व ने नई दिल्ली से लोकसभा सदस्य मीनाक्षी लेखी को बाहर का दरवाजा दिखाने का फैसला कर लिया है।

भाजपा के घोषणापत्र को केजरीवाल ने बताया 'जुमलों' का पिटारा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा के घोषणापत्र को च्जुमलों का नया संग्रह'' बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी अध्यक्ष अमित शाह में नोटबंदी के कारण बताने तथा किसानों को बर्बादी की तरफ धकेलने के पीछे की वजहों को बताने का साहस नहीं है। केजरीवाल ने प्रधानमंत्री को 2014 में उनकी पार्टी की तरफ से दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के वादे की याद दिलाते हुए कहा कि मौजूदा घोषणापत्र में इसका उल्लेख नहीं है जिसका मतलब है कि मोदी झूठ बोल रहे हैं और लोगों के लिए उन पर विश्वास करना और मुश्किल बना रहे हैं। केजरीवाल ने ट्वीट किया, भाजपा, 2014 के जुमलों का क्या हुआ ? यह बताए बिना जुमलों का नया पिटारा लेकर आई है। मोदी-शाह में नोटबंदी के कारण बताने का साहस नहीं। दो करोड़ नौकरियों का क्या हुआ? किसानों को बर्बादी की तरफ क्यों धकेला गया?'' सत्ता पर एक बार फिर काबिज होने के मकसद से भाजपा ने सोमवार को अपना घोषणापत्र जारी कर चुनावी वादों की बौछार की।

तमिलनाडु: पहली बार करुणानिधि-जयललिता के बिना चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

तमिलनाडु की सभी 39 लोकसभा सीटों पर दूसरे चरण में 18 अप्रैल को मतदान होगा। यह स्पष्ट है कि इस बार का चुनाव उस तरह का होगा जिस प्रकार की परिस्थिति तमिलनाडु ने हाल के दशकों में नहीं देखी होगी। इसका एक कारण यह है कि यह पहला चुनाव है जो दो प्रमुख द्रविड़ नेताओं डीएमके के करुणानिधि या एआईएडीएमके की जयललिता के बिना हो रहा है। जयललिता का दिसंबर, 2016 में और करुणानिधि का अगस्त, 2018 में निधन हो गया था। जयललिता के निधन के बाद एआईएडीएमके में संकट उत्पन्न हो गया। जबकि एआईएडीएमके ने 2014 के लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु की 39 में से 37 सीटों पर जीत हासिल की थी। उसके बाद की परिस्थितियों से यह भी पता चलता है कि राज्य के प्रचार अभियान में इस बार एक नई तरह की भाषा दिखाई दे रही है। पहले के विपरीत इस बार राष्ट्रीय पार्टियां एजेंडा तय कर रही हैं। भाजपा केवल पांच सीटों पर चुनाव लड़ रही है, लेकिन एआईएडीएमके और कैप्टन विजयकांत की डीएमडीके के साथ गठबंधन में उसकी स्थिति मजूबत है। वहीं डीएमके के नेतृत्व वाला बड़ा विपक्षी गठबंधन कांग्रेस के लिए रैलियां कर रहा है। कांग्रेस नौ सीटों पर चुनाव लड़ रही है। एक अंतर यह भी दिख रहा है कि पहले जहां प्रचार में स्थानीय मुद्दे हावी रहते थे, वहीं इस बार विपक्षी गठबंधन लोगों से यह सवाल पूछ रहा है कि क्या वे मोदी को हटाना चाहते हैं? तमिलनाडु में जयललिता व करुणानिधि के निधन के बाद यह पहला चुनाव है, इसलिए राज्य में राजनीतिक परिदृश्य बहुत बदल गया है। अब भाजपा एआईएडीएमके के साथ गठबंधन में है। भाजपा केंद्र में पांच वर्षों से सत्ता में है, जबकि एआईएडीएमके आठ वर्षों से राज्य में सरकार चला रही है। विपक्ष की स्थिति ने राजग को रक्षात्मक रुख अपनाने पर मजबूर कर दिया है। एआईएडीएमके के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र करने से बच रहे हैं। वहीं भाजपा के उम्मीदवार पार्टी लाइन के मुताबिक स्वच्छ भारत, जीएसटी और नोटबंदी इत्यादि की चर्चा कर रहे हैं इस चुनाव में जिनको याद रखा जा सकता है वह हैं टीटीवी दिनाकरण, जो एआईएडीएमके के बागी हैं।

गरीबों को आरक्षण कानून के लिए किए गए संवैधानिक संशोधन की समीक्षा करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि समाज के आर्थिक रूप से दुर्बल वर्गो के लिये सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश के लिये दस फीसदी आरक्षण का प्रावधान करने संबंधी केन्द्र के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर दो मई को सुनवाई की जायेगी। न्यायमूर्ति एस ए बोबडे और न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर की पीठ को बताया गया कि रेलवे पहले ही दस फीसदी आरक्षण के सरकार के निर्णय के आधार पर नौकरियों के लिये विज्ञापन दे चुका है। याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव धवन ने कहा कि यदि दस प्रतिशत आरक्षण के आधार पर नियुक्तियां हो गयीं तो बाद में इसे बदलना मुश्किल होगा। केन्द्र की ओर से अटार्नी जनरल के के वेणुगोपाल ने कहा कि संविधान संशोधन पर इस तरह से रोक नहीं लगायी जा सकती है और न्यायालय पहले ही ऐसा करने से दो बार इंकार कर चुका है।पीठ ने इस पर टिप्पणी की, ''हम इसका महत्व समझते हैं।'' धवन ने जब 10 प्रतिशत आरक्षण संबंधी रेलवे के विज्ञापन का मुद्दा उठाया तो पीठ ने टिप्पणी की, ''हम कह सकते हैं कि ये नियुक्तियां इस मामले के नतीजे के दायरे में आयेंगी।'' संसद ने जनवरी महीने संविधान के 103वें संशोधन विधेयक पारित किया था जिसे बाद में राष्ट्रपति ने अपनी संस्तुति प्रदान कर दी थी। इस संविधान संशोधन के माध्यम से समाज में आर्थिक रूप से दुर्बल वर्गों के लिये सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश के लिये दस फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया है। आरक्षण की यह व्यवसथा अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के लिये आरक्षण की मौजूदा 50 प्रतिशत की सीमा से अलग है।

संपादकीय

ऑनलाइन उद्दंडता

इसे देखने के लिए हमें बहुत दूर नहीं जाना होगा। आजकल देश में आम चुनाव चल रहे हैं, इसलिए सोशल मीडिया पर अगर आपने जरा भी झांक लिया, तो वहां आसानी से राजनीतिक उद्दंडता के दर्शन हो जाएंगे। वैसे यह राजनीतिक उद्दंडता कोई चुनावी चीज नहीं है, पिछले काफी समय से यह तकरीबन हर समय सोशल मीडिया और सभी ऑनलाइन माध्यमों पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही है, लेकिन चुनाव के समय में इसकी उग्रता भी बढ़ जाती है और इसका विस्तार भी। तकरीबन सभी राजनीतिक दलों ने इसके लिए साइबर सेल बनाए हुए हैं, जो उद्दंडता के मामले में एक-दूसरे से स्पर्द्धा लेते रहते हैं। कोई किसी से पीछे नहीं रहना चाहता। अपनी आक्रामकता को वाजिब करार देने के लिए वे फर्जी खबरें गढ़ते हैं, तथ्यों को तोड़ते-मरोड़ते हैं, फोटोशॉप से तस्वीरों में हेरा-फेरी की जाती है, भविष्य पर काबिज होने के लिए इतिहास और वर्तमान का मनमाना घालमेल किया जाता है। लेकिन क्या यह आक्रामकता सचमुच इन दलों को कोई फायदा पहुंचा पाती है? हमारे पास अपने देश के आंकड़े नहीं हैं, लेकिन पश्चिमी देशों में इस पर जो अध्ययन हुए हैं, वे दिलचस्प कहानी कहते हैं। ऐसा ही एक अध्ययन पिछले दिनों कंप्यूटर्स इन ह्यूमन बिहेवियर नाम की शोध पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। यह अध्ययन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास रियो ग्रैंडे वैली के जेसान पोपन ने किया है। इस शोध से वह यह जानना चाहते थे कि राजनीतिक उद्दंडता का क्या असर पड़ता है? इसके लिए उन्होंने कई प्रयोग किए। उदार और कट्टरपंथी सोच, दोनों तरह के नजरिये वाले लोगों को विरोधी विचार के कई सारे तर्क अलग-अलग पढ़ने को दिए। कुछ में उदारता थी, कुछ में आक्रामकता थी, कुछ में उद्दंडता थी और कुछ पूरी तरह मनगढ़ंत थे। इसका नतीजा काफी दिलचस्प था। यह पाया गया कि जिन तर्कों में उद्दंडता थी, उन्हें लोगों ने देखते ही अतार्किक कहकर खारिज कर दिया। यहां तक कि उन बातों को भी, जिनमें उद्दंडता भले ही हो, मगर वे तार्किक रूप से बिल्कुल खरी थीं। इससे यह नतीजा निकाला गया कि राजनीतिक उद्दंडता विरोधियों को चिढ़ाने का काम तो कर सकती है, पर उन्हें समझाने या फिर उन्हें अपनी बात से रजामंद करने का लक्ष्य इससे हासिल नहीं हो सकता। यह भी पाया गया कि ऐसे व्यवहार का विरोधी विचार वालों पर नकारात्मक असर ही ज्यादा होता है। ऐसे तर्क कम से कम किसी को अपना विचार बदलने के लिए तो प्रेरित नहीं ही करते और उनसे कैसी कड़वाहट फैलती है, इसे जानने के लिए तो हमें किसी शोध की भी जरूरत नहीं है ।बचपन में हमें सिखाया जाता था- ऐसी वाणी बोलिए मन का आपा खोय...। लोगों ने अपने जीवन में इसे अपनाया हो या न अपनाया हो, लेकिन हमारी राजनीति ने इससे ज्यादा नाता नहीं रखा। यही राजनीति जब सोशल मीडिया पर पहुंची, तो जैसे उसने विनम्रता से नाता तोड़ने का पक्का संकल्प ही कर लिया। यह हम आज भी कहते हैं कि उग्रता किसी समस्या का समाधान नहीं करती, उसे बढ़ाती ही है, पर ऑनलाइन माध्यमों में हम इससे जरा भी परहेज नहीं बरतते। बल्कि एक-दूसरे से स्पर्द्धा करने के चक्कर में यह राजनीतिक उद्दंडता लगातार बढ़ती ही जा रही है। यह समाज में बढ़ते राजनीतिक तनाव का एक बड़ा कारण भी है, भारत में ही नहीं, बल्कि किसी न किसी रूप में पूरी दुनिया में ही।

ट्वीट

काम

चुनावों के मौसम में विविध राष्ट्रीय दलों के उम्मीदवार अचानक ''आम'' आदमी जैसा बस, ट्रेन या मेट्रो का सफर करेंगे, गरीबों के घरों में भोजन करेंगे, किसानों के साथ खेती करेंगे वगैरह वगैरह। हम नागरिकों को चाहिये उनके पिछले 5 वर्ष का बर्ताव व काम देखें। अपना हर मत कीमती है, सतर्क रहें।

रेणुका शाहणो, मशहूर कलाकार

सूरज के अंधेरों में इनसानी बेबसी

मुकुल व्यास

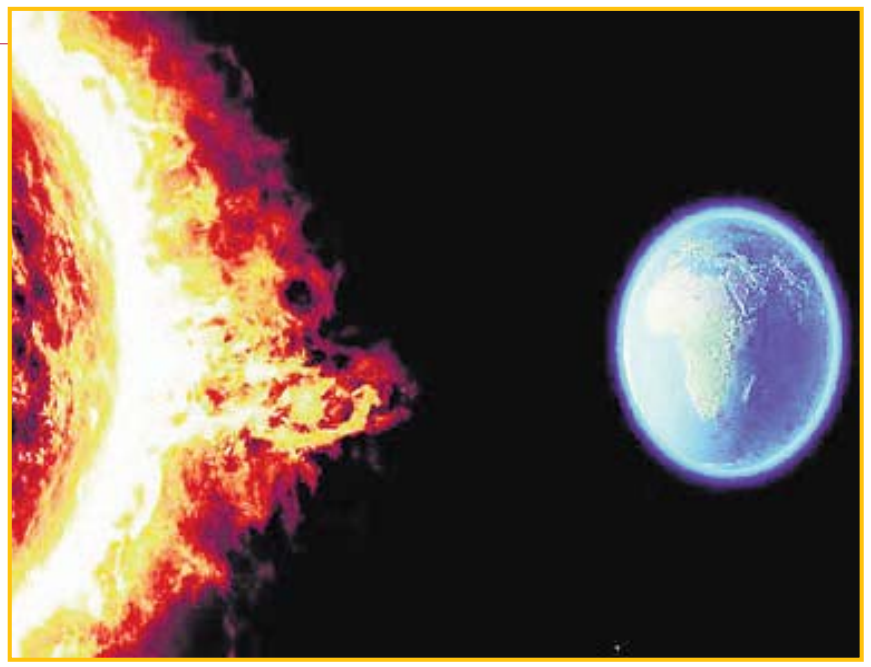

हमारी पृथ्वी पिछले तीन हजार वर्षों के दौरान तीन प्रचंड सौर तूफान झेल चुकी है और वैज्ञानिकों ने चेताया है कि यदि ऐसा तूफान फिर आया तो हमारे विद्युत ग्रिड, संचार, जीपीएस सिस्टम और सूचना प्रौद्योगिकी पर इसका विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा। सूरज से उठने वाला सौर तूफान पृथ्वी के जनजीवन को अस्तव्यस्त कर सकता है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इस विनाशकारी तूफान से दुनिया के कई हिस्सों में कई महीने तक बिजली गुल हो सकती है। सूरज के भीषण तूफान हर 100 या 200 वर्ष बाद उत्पन्न होते हैं। हल्के सौर तूफान नियमित रूप से पृथ्वी पर प्रहार करते रहते हैं। पिछले पचास वर्षों के दौरान ऐसे कई मौके आए जब सूरज से निकली विस्फोटक ऊर्जा तरंगें पृथ्वी के आसपास से गुजर गईं और हम इसके प्रभावों से बाल-बाल बच गए। ध्यान रहे कि बड़े सौर तूफान चुंबकीय ऊर्जा के जमा होने से उत्पन्न होते हैं। यह ऊर्जा विकिरण की तीव्र बौछारों के रूप में बाहर निकलती है। सूरज पर होने वाले विस्फोटों से निकलने वाले प्रचंड ऊर्जा के कण पृथ्वी की तरफ आते हैं। इसे हम सौर तूफान कहते हैं। तीव्र गति से बढ़ने वाले ये ऊर्जा कण उपग्रहों के संवेदनशील सर्किटों को ठप कर सकते हैं। आधुनिक समय में दो बड़े सौर तूफान पृथ्वी पर आ चुके हैं। 1989 में कनाडा के क्यूबेक में आए सौर तूफान से बड़े पैमाने पर विद्युत आपूर्ति ठप हुई थी। स्वीडन के माल्मो में 2003 में आए सौर तूफान ने भी बिजली की आपूर्ति को प्रभावित किया था। पृथ्वी 1889 में भी एक भयंकर भूचुंबकीय सौर तूफान को झेल चुकी है। 1889 के सौर तूफान ने यूरोप और उत्तरी अमेरिका में टेलीग्राफ की तारों को अस्तव्यस्त कर दिया था और इससे कई जगह आग लग गई थी। यदि आज हमें 1889 जैसा तूफान झेलना पड़े तो उसका प्रभाव ज्यादा व्यापक होगा क्योंकि आज हमारे विद्युत और दूरसंचार नेटवर्क बहुत ज्यादा उन्नत हो चुके हैं। लेकिन ये सौर तूफान 660 ईसा पूर्व में आए सौर तूफान की तुलना में बौने थे। स्वीडिश वैज्ञानिक रैमंड म्युशेलर का कहना है कि यदि ऐसा तूफान आज के समय में आता तो हमारी हाईटेक सोसाइटी पर इसका बहुत ही विनाशकारी प्रभाव पड़ता। ग्रीनलैंड में एक लाख वर्ष पुराने बर्फ के नमूनों के अध्ययन से इस भीषण तूफान के प्रमाण मिले हैं। बर्फ के इन नमूनों और पेड़ के तनों के छल्लों (ग्रोथ रिंग्स) के अध्ययन के बाद दो और बड़े सौर तूफानों की पुष्टि हुई जो सन ् 775 और 994 में आए थे। रिसर्चरों ने 'प्रोसिडिंग्स ऑफ नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज' पत्रिका में लिखा है कि इस तरह के बड़े तूफान बहुत कम आते हैं लेकिन भविष्य में ऐसी घटनाएं पुनः हो सकती हैं। अतः हमें सौर तूफानों से बचाव के तरीके खोजने होंगे। प्रो. म्युशेलर ने कहा कि यह स्पष्ट है कि हमने अभी तक सौर तूफानों के खतरों को कम करके आंका है। पिछले 70 वर्षों में दर्ज पर्यवेक्षण रिकॉर्ड से हम सौर तूफानों की तीव्रता का सही अंदाजा नहीं लगा सकते। इनके लिए हमें बेहतर ढंग से तैयार रहना होगा। वैज्ञानिकों ने ग्रीनलैंड की बर्फीली चादर के करीब आधा किलोमीटर नीचे रेडियो एक्टिव कणों का पता लगाया है जो 660 ईसा पूर्व में आए सौर तूफान की वजह से पृथ्वी पर पहुंचे थे। पिछले 70 वर्षों में रिकॉर्ड किए गए सौर तूफानों की तुलना में यह तूफान दस गुणा अधिक शक्तिशाली था। वैज्ञानिकों ने पिछले दशक के दौरान किए गए अध्ययनों के दौरान पता लगाया कि तीव्र सौर तूफान पृथ्वी पर अपने खास निशान छोड़ सकते हैं। तीव्र ऊर्जा वाले कण वायुमंडल में पहुंच कर अणु नाभिकों से टकरा कर कार्बन, बैरीलियम और क्लोरीन जैसे तत्वों के रेडियो एक्टिव आइसोटोप निर्मित करते हैं। एक या दो साल तक ये आइसोटोप वायुमंडल में बने रहते हैं और बाद में जमीन पर पहुंच कर पेड़ों के तनों के छल्लों और बर्फ की चादर के नीचे अपनी जगह बना लेते हैं। म्युशेलर की टीम ने ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर के नीचे दो जगहों से लिए गए बर्फ के नमूनों का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि इन दोनों नमूनों में बैरीलियम और क्लोरीन के आइसोटोप की मात्रा अधिक थी। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये पदार्थ 660 ईसा पूर्व में आए सौर तूफान के रेडियो एक्टिव अवशेष हैं। अंतरिक्ष के विषम मौसम का अध्ययन करने वाले विशेषज्ञों का कहना है कि प्रचंड सौर तूफान से निपटना हमारे लिए चुनौतीपूर्ण होगा। अंतरिक्ष मौसम का एक सबसे बड़ा खतरा यह है कि पूर्व अनुमान बताने वाले वैज्ञानिकों के पास किसी विषम घटना की चेतावनी देने के लिए सिर्फ 15 से 60 मिनट का समय होता है। पिछली सदी की तुलना में आज हम ऐसे तूफान के आगे ज्यादा बेबस हैं क्योंकि हमारा समस्त जीवन आधुनिक इलेक्ट्रोनिक्स पर आधारित है। सबसे पहले ऐसे तूफान की शक्तिशाली विद्युत चुंबकीय तरंगों की चपेट में दूरसंचार उपग्रह आएंगे जो हमारे इंफ्रास्ट्रक्चर के अहम अंग हैं। इससे विद्युत ग्रिडों, मोबाइल फोन नेटवर्क और 4जी नेटवर्क को नुकसान हो सकता है। सूरज से उठने वाला तूफान अंतरिक्ष यात्रियों के लिए भी खतरा पैदा कर सकता है। अमेरिका जैसे देश सौर तूफान के विनाशकारी प्रभावों से इतने ज्यादा चिंतित हैं कि उन्होंने अभी से इससे निपटने के लिए आपात योजनाएं बनानी शुरू कर दी हैं। अमेरिका की नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस द्वारा 2008 में किए गए एक अध्ययन के अनुसार भयंकर सौर तूफान के बाद कई महीनों तक बिजली गुल रह सकती है और यदि ट्रांसफार्मर फुक गए तो बिजली संकट लंबा खिंच सकता है। रिसर्चरों ने अनुमान लगाया है कि सौर तूफान के विनाशकारी प्रभावों से सिर्फ अमेरिका में ही अर्थव्यवस्था को 2600 अरब डॉलर का नुकसान हो जाएगा। अंतरिक्ष मौसम विशेषज्ञों ने 2022 में सौर तूफान के आने की भविष्यवाणी की है और इसके पृथ्वी से टकराने की संभावना 12 प्रतिशत है।

ज्ञान गंगा

आत्मा की महत्ता

श्रीराम शर्मा आचार्य/ शरीर अनेक सुख-सुविधाओं का माध्यम है, ज्ञानेन्द्रियों द्वारा रसास्वादन और कम्रेन्द्रियों के द्वारा उपार्जन करने वाला शरीर ही सांसारिक हर्षोल्लास प्राप्त करता है। इसलिए इसे स्वस्थ, सुंदर, सुसज्जित एवं समुन्नत स्थिति में रखना चाहिए। इसी दृष्टि से उत्तम आहार-विहार रखा जाता है, तनिक सा रोग-कष्ट होते ही उपचार कर लिया जाता है। शरीर की ज्योति ही मस्तिष्क की उपयोगिता है। आत्मा की चेतना और शरीर की गतिशीलता का भौतिक व आत्मिक समन्वय का प्रतीक है। मन की कल्पना, बुद्धि का निर्णय, चित्त की आकांक्षा और अहमन्यता की प्रवृत्ति इन चारों से मिलकर अंत-करण चतुष्टय बना है। सभ्यता, संस्कृति, शिक्षा, दीक्षा द्वारा मस्तिष्क को विकसित एवं परिष्कृत करने के लिए हमारी चेष्टा निरंतर रहती है क्योंकि भौतिक जगत में उच्चस्तरीय विकास एवं आनंद उसी के माध्यम से संभव है। शरीर को समुन्नत स्थिति में रखने के लिए पौष्टिक आहार, व्यायाम, विनोद आनंद आदि की अगणित व्यवस्थाएं की गई हैं। मस्तिष्कीय उन्नति के लिए स्कूल, कॉलेज, प्रशिक्षण केंद्र, गोष्ठियां, सभाएं विद्यमान हैं। पुस्तिकाएं, रेडियो, फिल्म आदि का सृजन किया गया है, जिससे कि मस्तिष्कीय समर्थता बढ़े। संसार में जो कुछ भी हो रहा है। यहां उसकी निंदा या प्रशंसा नहीं की जा रही है। ध्यान उस तथ की ओर आकर्षित किया जा रहा है, जो इस सबसे अधिक उत्कृष्ट एवं आवश्यक था, उसे एक प्रकार से भुला ही दिया गया। समझ लिया गया है कि मनुष्य जो कुछ है, वह शरीर और मन तक की सीमित है। यदि इससे ऊपर भी कुछ समझा गया होता तो उसके लिए भी जीवन क्रम में वैसा ही स्थान मिलता, जैसा शरीर और मन के लिए होता है, पर हम देखते हैं, वह तीसरी सत्ता जो इन दोनों से लाखों, करोड़ों गुनी अधिक महत्वपूर्ण है; एक प्रकार से उपेक्षित विस्मृत ही पड़ी है और वह लाभ और आनंद जो अत्यंत सुखद एवं समर्थ है, एक प्रकार से अनुपलब्ध ही रहा है। रोज ही यह कहा और सुना जाता है कि हमारे शरीर और मन से ऊपर आत्मा है। सत्संग और स्वाध्याय के नाम पर यह शब्द प्रतिदिन आये दिन आंखों और कानों के पदरे पर टकराते हैं पर वह सब एक ऐसी विडम्बना बन कर रह जाता है, जो मानो कहने-सुनने और पढ़ने-लिखने के लिए ही खड़ी की गई हो। यदि ऐसा न होता तो आत्मा को सचमुच ही महत्वपूर्ण माना गया होता।

असली निःशक्त तो ये हैं

- डॉ. दीपक आचार्य

हम सभी के शरीर को भगवान को इतना सक्षम बनाया है कि हम अपने काम खुद कर सकें और जहाँ तक हो सके किसी की मदद न लें। सभी अपने-अपने काम स्वतंत्रतापूर्वक एवं पूरी आसानी से करते रहें, तभी सृष्टि अपने आप चलती रह सकती है। उन लोगों की बात अलग है जो किसी न किसी जन्मजात अशक्तता या अपंगता से ग्रस्त हैं अथवा किसी दुर्घटना या बीमारी के कारण शक्तिहीन हो चुके हैं अथवा किसी भी शारीरिक वजह से परेशान हैं। पर इनका प्रतिशत नगण्य है। कुछ दशक पहले तक हर आदमी अपने काम खुद कर लिया करता था, किसी के भरोसे नहीं रहकर अपनी रोजमर्रा की जिन्दगी पूरी मस्ती के साथ जीता था, किसी की सेवा लेना या किसी से अपनी सेवा-सुश्रुषा कराना पसंद नहीं करता था। यहाँ तक कि बुजुर्गावस्था में पहुँच जाने के बाद भी इंसान भगवान से यही प्रार्थना किया करता था कि उसे इस तरह उठा लेना कि किसी से सेवा नहीं करानी पड़े। किसी दूसरे से सेवा लेने या कराने तक को पाप समझा जाता था और हर आदमी इससे बचने की हरसंभव कोशिश करता रहता था। इनका मानना था कि औरों की सेवा लेने से नवीन प्रारब्ध कर्म का निर्माण हो जाता है और यह किसी भी जीवात्मा के उद्धार या गति-मुक्ति के लिए अच्छा नहीं कहा जा सकता। सर्वसमर्थ और शक्तिमान आदमी ने आलस्य, प्रमाद और प्रभुत्व से ग्रसित होकर अपनी क्षमताओं को भुला दिया और अब मामूली से कामों के लिए भी उसे दिन में कई-कई बार दूसरों की सहायता लेनी पड़ती है। इस दृष्टि से हम सभी लोग अब निःशक्तों की श्रेणी में आ गए हैं। निम्न और आधे मध्यम वर्ग में आने वाले लोगों को छोड़ दिया जाए तो तकरीबन शेष आधे मध्यम वर्ग और नब्बे फीसदी उच्च वर्ग में तो यह निःशक्तता इतनी घर कर गई है कि इसका कोई पार नहीं। हालात ये हो गए हैं कि जो आदमी जितना बड़ा होता चला जाता है वह मेहनत के मामले में निःशक्त होता चला जाता है। बहुत अधिक बड़े हो जाने पर आदमी को आरामतलबी का इतना अधिक नशा चढ़ जाता है कि उसे अधिकांश कामों के बारे में दूसरों पर निर्भर रहने की आदत पड़ जाती है। इन बड़े, महान और लोकप्रिय कहे जाने वाले लोगों को शारीरिक श्रम के मामले में पराश्रित रहने की ऐसी लत पड़ जाती है कि कोई सा काम खुद नहीं कर पाते। इस अवस्था में ये खान-पान को छोड़कर सारे कामों में औरों के भरोसे ही रहते हैं। अब तो परिश्रमहीनता को बड़े आदमियों का पर्यायवाची मान लिया गया है। जो जितना बड़ा उतना अशक्त। साहबी संस्कृति इतनी अधिक जड़ें जमा चुकी है कि हर बड़े आदमी को लगता है कि पूरी दुनिया उनकी ही सेवा-चाकरी के लिए पैदा हुई है और इनसे सेवा लेना इनका जन्मसिद्ध अधिकार है। हाल के वर्षों में अभिजात्य निःशक्तों का एक बहुत बड़ा वर्ग हमारे सामने आकार ले चुका है जिसे देखते ही लगता है कि वाकई इनसे बड़ा निःशक्त कोई हो ही नहीं सकता। सब कुछ कर पाने का सामर्थ्य और शक्ति होने के बावजूद इन निःशक्तों से वे काम भी नहीं हो पाते जो कि एक सामान्य से सामान्य इंसान आसानी से अकेले कर डालता है। दिमागी तौर पर अपने आपको सर्वोपरि, सर्वश्रेष्ठ, अधिकार सम्पन्न, संप्रभु और सर्वशक्तिमान मानने वाले इन अभिजात्यों का शरीर निःशक्तता से इतना अधिक ग्रस्त होता है कि ये अपने काम भी नहीं कर पाते। खान-पान, रहन-सहन, लोक व्यवहार, परिभ्रमण से लेकर रोजमर्रा के तकरीबन सारे कामों में ये लोग दूसरों के भरोसे ही रहा करते हैं, खुद का कोई सा काम खुद नहीं कर पाते। जब इंसान में परिश्रम करने का उत्साह समाप्त हो जाता है तो एक समय बाद शरीर भी उनकी आदत को समझ जाता है और वह भी इसी हिसाब से ढल जाया करता है। मानसिकता रखेंगे शहंशाहों की, बराबरी करेंगे भगवान से, और काम-काज तथा शरीर संचालन के मामले में निर्बल मजदूर और निःशक्तों से भी गये बीते हो गए हैं ये अभिजात्य निःशक्त। अटैची पकड़ने, चाय-पानी पिलाने, घर के काम करने, खाना बनाकर खिलाने, गाड़ी का दरवाजा खोलने, सेल्यूट कर स्वागत करने, ऑनर देने, बाय-बाय करने, पानी की बोतल उठाकर रखने, फाईलें बाँधने और लाने-ले जाने, जूते पहनाने से लेकर अपने और घर के सारे काम-काज करने के लिए इन्हें कोई न कोई हमेशा चाहिए होता है। जबकि ये सारे काम ये अपने बूते कर सकते हैं पर हूजूरियत और अभिजात्य मार्के का आत्म स्वीकृत शोषकीय अहंकार ही ऐसा पड़ा होता है कि बेचारे कुछ भी नहीं कर पाते, सब कुछ दूसरों के भरोसे ही चल पाता है। पता नहीं और कौन-कौन से काम के लिए औरों के भरोसे रहा करते होंगे। अभिजात्यों के इस संप्रभुत्व के आगे सब कुछ गौण है। इनके घर वाले भी इन्हीं की तरह पराश्रित ही हो जाते हैं। इस तरह अभिजात्यों के लिए पूरे घर के लोग निःशक्तता से प्रभावित होकर दूसरों के भरोसे रहा करते हैं। इन अभिजात्यों के परिवार और कुटुम्बी भी इन्हीं की तरह आरामतलबी होकर निःशक्त अवस्था को प्राप्त कर लिया करते हैं। इनसे भी कोई काम नहीं होता। पता नहीं सभी प्रकार का सामर्थ्य होते हुए भी औरों को अपना प्रभुत्व दिखाने, जमाने भर में वर्चस्व स्थापित करने और झूठी प्रतिष्ठा के लिए हमें जिन्दगी भर निःशक्त बने रहना क्यों भा गया है। अभिजात्य वर्ग में घुसपैठ करती जा रही इस शहंशाही किन्तु निकम्मेपन, हद दर्जे के आलस्य और प्रमाद की मानसिकता के कारण भले ही लोक में उनका मिथ्या वर्चस्व और वैभव स्थापित होता दिखाई दे, असल में ये लोग एक समय बाद शारीरिक के बाद मानसिक निःशक्त भी हो ही जाते हैं। आमतौर पर ऐसे अभिजात्यों के बारे में यह कहा जाता है कि दिमागी घोड़े दौड़ाकर शतरंजी चालों को चलने में माहिर ये महान लोग पहले मानसिक तौर पर बीमारू होते हैं और फिर शारीरिक। लेकिन आजकल के अभिजात्यों में उल्टा हो रहा है। अब ये शारीरिक श्रम से जी चुराते हुए शक्तिहीन हो जाते हैं और फिर मानसिक रुग्णता के घेरे में आ जाते हैं। दशकों से मिलने वाली सुविधाएं छीन लिए जाने की स्थितियों के आ जाने के बाद तो ये मानसिक और शारीरिक दोनों दृष्टि से बीमारू और नाकारा होने की स्थिति में प्रवेश कर जाते हैं और फिर अंतिम समय तक कुढ़ते रहते हैं। यही वजह है कि हर अभिजात्य निःशक्त अपनी सेवा निवृत्ति के बाद अवसर अस्पतालों के चक्कर काटते या आईसीयू वार्ड में ईलाज करवाते देखे जाते हैं अथवा किसी के सहारे अपने कामों को पूरे करने-करवाने के लिए परिभ्रमण करते हुए इन्हें सहज ही देखा जा सकता है। दुनिया के अधिकांश गंभीर मरीजों में भी इन्हीं की संख्या सर्वाधिक होती है जिन्हें हमेशा यही भ्रम रहा है कि दुनिया उनकी सेवा के लिए है और वे ही इस धरती के स्वयंभू अधीश्वर अथवा नियंता हैं। इनमें भी अधिकांश लोग ऐसे हो जाते हैं कि घुटने जवाब दे जाते हैं, न चल-फिर पाते हैं, न बुढ़ापे का सुकून ले पाते हैं। घर की खटिया से लेकर आईसीयू की शैय्याओं तक इनका अशक्तता भरा यह सफर तब तक चलता रहता है जब तक कि 'जय सियाराम' न हो जाए। इनका जय सियाराम हो जाना उन सभी लोगों के लिए वरदान सिद्ध होता है जिनकी सेवाएं लेकर ये आयु पूरी करते हैं। ऐसे लोगों के जाने के बाद सभी लोग शांति, मुक्ति और सुकून का अहसास करते हैं और इनका नाम ले लेकर कोसते हैं। भगवान को भी कोसते हैं कि आखिर ऐसे निखट्टुओं को उसने क्यों पैदा किया होगा जो अधीनस्थों और दूसरों का शोषण करते हुए आयु पूरी करते हैं और जब ऊपर जाते हैं तब भी समाज और मातृभूमि के लिए कुछ भी सौंप नहीं जाते।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

अकेलापन को करें एंजॉय

अकेलापन शायद ही किसी को अच्छा लगता हो, लेकिन यह भी सच है कि जो लोग ज्यादा सामाजिक होते हैं या फिर जिन्हें सामाजिकता से ज्यादा प्यार होता है, उनके पास अपने लिए भी वक्त नहीं होता है। लेकिन अगर आप ज्यादा सामाजिक नहीं हैं या फिर आप इससे दूर भागते हैं और अकेले हैं तो कोई बात नहीं। आप अपने अकेलेपन को भी एंजॉय कर सकते हैं। क्योंकि हर परिस्थिति हमेशा बुरी नहीं होती है। पूरी बात हमारे नजरिए पर निर्भर है कि हम क्या सोचते हैं। इसलिए अगली बार अकेलापन को सकारात्मक नजर से देखें।

सीखें खुद से प्यार करना...

जब आप अकेले रहते हैं तो आपने यह महसूस किया होगा कि आपके आस-पास कोई ?सा शख्स नहीं होता है कि जो आपको देख रहा हो। आप पूरी तरह से मुक्त होते हैं हर तरह के बंधन से। आप वो सारी चीजें कर सकते हैं जो आप करना चाहते हैं। पहले आप वो चीजें इसलिए नहीं कर पाते थे क्योंकि लोग आपके आस-पास रहते थे। लेकिन चूंकि आप अकेले हैं तो हर वो चीज करें जिसकी आपको ख्वाहिश थी। नाचे,गाएं,मनपसंद खाना खाएं। यह थोड़ा अजीब है लेकिन इसमें मजा आएगा। आप कहीं जाएं और लोगों के व्यवहार को ऑब्जर्व करें कि वो क्या करते हैं (अक्सर लोगों को लगता है कि वो जो काम कर रहें हैं उसे कोई नोटिस नहीं कर रहा है) आप पार्क में या किसी मॉल में जाइए लोगों के व्यवहार को देखिए। आप पाएंगे कि हर व्यक्ति अलग-अलग लोगों से कैसे व्यवहार करता है। इस चीज में आपको मजा आएगा लेकिन अगर नहीं आता है तो कोई बात नहीं,किसी शांत और प्रकृतिमय जगह जाएं। जहां पशुओं-पक्षियों के व्यवहार को ऑब्जर्व करें,मजा आएगा।

...तो हो जाएं थोड़ा क्रिएटिव

अकेलेपन का यह मतलब बिल्कुल भी नहीं है कि आप लेजी हो जाएं,दिनभर सुस्ती के साथ बिस्तर पर लेटे रहें। बल्कि यही मौका होता है जब आप अपने अंदर की रचनात्मकता को निखार सकते हैं। अगर आपको कुकिंग का शौक है तो कोई डिश,जो आप रोज बनाते हैं उसे अलग तरीके से बनाइए। लिखने का शौक है तो क्यों न कुछ लिखें। अगर कोई विषय नहीं मिल रहा है तो अपने आपको केंद्रित करके भी कुछ लिख सकते हैं। तूलिका से अगर प्यार है तो आड़ी-टेढ़ी रेखाओं से ही सही कुछ तस्वीर ही खींच दें।

जा रही हैं ब्यूटी पार्लर...

आज ब्यूटी पार्लर जाना आम बात हो गई है पर कई बार हम वहां जाते तो हैं अपनी खूबसूरती में चार चांद लगवाने पर अनजाने में ढेर सारी बीमारियां साथ लेकर चले आते हैं। ब्यूटी के मामले में लापरवाही से काम लेना उचित नहीं है। जब भी पार्लर जाएं, वहां कुछ बातों का ध्यान रखें...

पेडीक्योर के समय

खतरा : फंगल इंफेक्शन, मस्से
सावधानी : पैर रखने वाले बरतन को अच्छी तरह से स्टरलाइज्ड करवाएं वरना पैरों में इंफेक्शन होने का भय रहता है। इस बात का ध्यान रखें कि क्यूटिकल स्टिक दोबारा इस्तेमाल आप पर न हो।
समाधान : पर्सनल झावां और क्यूटिकल स्टिक अपने साथ ले जाएं। ऐसे पार्लर पर जाएं जहां फ्रेश या एक ही बार इस्तेमाल की जाने वाली पेडी पैडल का उपयोग किया जाता है।

आई ब्रो बनवाते समय

खतरा : त्वचा रोग, हर्पीज
सावधानी : आई ब्रो निकालने के लिए चिमटी का इस्तेमाल किया जाता है। मामूली सी दिखने वाली चिमटी बहुत सारी बीमारियों से भरी होती है। जब ब्यूटी थेरेपिस्ट चिमटी का इस्तेमाल करे तो उससे चिमटी स्टरलाइज कर लेने को कहें, नहीं तो आप इंफेक्शन का शिकार हो सकती हैं।
समाधान : ब्यूटी पार्लर में यह जरूर चेक करें कि ट्रे में रखें टूल्स स्टरलाइज्ड है या नहीं। हो सके तो अपने सामने चिमटी को स्टरलाइज्ड करवाएं। चिमटी को खौलते पानी में उबाला गया है तो बेशक इसका इस्तेमाल करें। अपने साथ पर्सनल चिमटी ले जाएं।

जब फेशियल करवाएं

खतरा : इम्पेटिगो डर्माटाइटिस (त्वचा रोग)
सावधानी : कई लोगों द्वारा इस्तेमाल किए गए तौलिए से त्वचा में संक्रमण होने का खतरा रहता है। इसमें चेहरे पर सूजन या जलन हो सकती है। एक ही फेशियल प्रॉडक्ट्स को अंगुलियों में डुबोकर हर किसी के चेहरे पर लगाने से इंफेक्शन का खतरा रहता है।
समाधान : इस्तेमाल किए जाने वाले तौलिया या गाउंस साफ - सुथरी हों। दूसरों द्वारा इस्तेमाल न की गई हों। फेशियल करते वक्त थेरेपिस्ट को हाथों को अच्छे से धोने या हाथों पर दस्ताने चढ़ाने के लिए कहें। ध्यान रहे कि दस्ताने नए हों, पहले से काम में लिए न हों। थेरेपिस्ट के हाथों में घाव, सूजन या इंफेक्शन हो तो उससे फेशियल न करवाएं ताकि उसके हाथ से कीटाणु आपके शरीर में न पहुंचें।

वैक्सिंग के वक्त

खतरा : दाद, खाज या जलन
सावधानी : वैक्सिंग के वक्त जरूर चेक कर लें कि फ्रेश स्पैचुला का इस्तेमाल किया जा रहा है या नहीं।
समाधान : पार्लर वाली से नया स्पैचुला इस्तेमाल करने को कहें। तिल, मस्से, दाद, खुजली पर वैक्स न करवाएं।

नीम की पत्तियां निखारे त्वचा

नीम की पत्तियां आपको आसानी से हर जगह मिल जाएंगी। इनका इस्तेमाल भी मुश्किल नहीं है। आपको बस करना यह होगा...

नीम की पचास पत्तियों को दो लीटर पानी में डालकर खूब उबाल लें। उस उबले पानी को ठंडा करके एक बॉटल में रख लें। रोज नहाते वक्त उस पानी की थोड़ी मात्रा नहाने वाले पानी मिलाएं। त्वचा में कोई संक्रमण नहीं होगा।

नीम के इस पानी का उपयोग आप चेहरा साफ करने के लिए भी कर सकती हैं। रात में सोने से पहले एक कॉटन बॉल को नीम के पानी में डुबोएं उसके बाद उस पानी से चेहरे को साफ करें। ?सा करने से चेहरा तो साफ होगा, साथ ही मुंहासे और ब्लैकहेड्स की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा। नीम की छाल और जड़ भी सेहत के लिहाज से बहुत प्रभावी होते हैं। इनका पाउडर बनाकर बालों में लगाने से रूसी और जूं की समस्या नहीं होती है। क्योंकि नीम अपने आप में एक बहुत ही अच्छा एंटीबैक्टेरियल होता है।

खूबसूरत मुलायम पैरों का सौंदर्य में उतना ही महत्व है जितना कि चेहरे का। चेहरे व शरीर के अन्य अंगों की तरह पैरों की भी देखभाल की जानी चाहिए। अपने दिनभर के रूटीन से थोड़ा सा समय निकाल कर पैरों की देखभाल में लगाएं और देखें कि आपके पैर कितनी जल्दी मुलायम और सुंदर बन जाते हैं।

पाँवों को भी है देखभाल की जरूरत

फुरसत के समय या टीवी देखते समय अच्छी क्रीम या तेल के हल्के हाथों से गोलाई में पैरों की मालिश करें। थोड़ी देर में तेल त्वचा में रम जाएगा। इससे थके?हारे पैरों को आराम मिलेगा और रूखी त्वचा मुलायम बनी रहेगी। नहाते समय प्यूमिक स्टोन से पैरों की अच्छी तरह सफाई करें ताकि कटी?फटी त्वचा उतर जाए। नहाने के बाद कोई अच्छा बॉडी लोशन या क्रीम पैरों पर लगाएं।

अगर पैरों में पसीना ज्यादा आता हो तो गुनगुने पानी में नींबू की कुछ बूंदें डालें। इसमें पैरों को डुबो कर रखें। पंद्रह मिनट के बाद पैरों को पोंछ लें। थोड़ी सी मुल्तानी मिट्टी में गुलाबजल डाल कर पेस्ट बनाकर पैरों पर पतली परत लगाएं और सूखने पर उसे धो लें। पसीने की समस्या से बचने के लिए पैरों पर अच्छी तरह पाउडर लगाकर जूते पहनें।

गर्म पानी में नमक डाल कर उसमें कुछ देर के लिए पैरों को डाल कर रखें। इससे थके पैरों को आराम मिलता है। मुल्तानी मिट्टी में थोड़ा सा दही डाल कर पेस्ट बना कर पैरों में लगा लें और सूखने पर धो दें। इससे पैर मुलायम हो जाएंगे। पैरों की त्वचा ज्यादा सूखी हो तो गुनगुने पानी में कुछ बूंदें जैतून के तेल की मिला लें। पंद्रह मिनट तक अपने पैरों को इसमें भिगो कर रखें फिर पोंछ कर किसी अच्छी क्रीम से मालिश करें।

पैरों को मुलायम बनाने के लिए मलाई में कुछ बूंदें नींबू की मिलाएं और इससे पैरों की मालिश करें। दो चम्मच ग्लिसरीन और एक चम्मच गुलाबजल में एक चम्मच नींबू का रस अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को एक बोतल में बंद करके रोज सोने से पहले लगाएं। इससे पैरों की त्वचा मुलायम बनी रहेगी।

आपके पैर ठंडे रहते हैं तो सोने से पहले जैतून के तेल से मालिश करें। पैरों के अंदर धंसे नाखूनों की समस्या उन्हें गलत ढंग से काटने से होती है। नाखूनों को सीधा और चौड़ाई में काटें। नेलपालिश लगे हुए पैर सुंदर लगते हैं पर बीच-बीच में नेलपालिश का प्रयोग बंद कर देना चाहिए ताकि नाखूनों का स्वाभाविक रंग बना रहे। लगातार कुर्सी पर बैठे रहने के कारण पैर खिंच जाते हों तो पैरों को क्लॉकवाइज और एंटी क्लॉकवाइज थोड़ी?थोड़ी देर में घुमाते रहें। जूते?चप्पल हमेशा सही माप के खरीदें जिससे आपके पैरों को उनमें पूरी जगह मिल सके। बहुत देर तक ऊंची एड़ी की सैंडलें नहीं पहनें इनसे थकान ज्यादा होती है और शरीर का संतुलन बिगड़ता है। अगर हील पहननी ही हो तो प्लेटफॉर्म हील ही खरीदें। नंगे पांव हरी घास पर टहलना भी पैरों के लिए लाभदायक होता है।

सचीन सूडा आवास में असमाजिक तत्वों के आतंक से व्यापारियों में भय व्याप्त

सूरत। सचीन पुलिस के विस्तार के अंतर्गत में सुडा 1,2,3 में बडी संख्या में परप्रान्तीय होने से बड़े पैमाने पर भाडे से रहते हैं, इस विस्तार में देश के अलग-अलग राज्यों से आकर अपने रोजगार-और व्यापार कर के अपने जीबन -निर्वाह करते हैं, जिसमें छोटे व्यापार कर रहे लोगों में कुछ समय से भय का माहोल सा हो गया हैं, जों स्थानिक लोगों से बातचीतकरने पर यह पता चला के 07-04-2019 के दिन शाम को लगभग 6.30 बजे सुडा सेक्टर -2 के प्लोट नंबर 188 में रमेश कलाल नामक व्यकित अपने अनाज-किरायानाकी दुकान चलाते हैं और उसके सामने रह रहे सुडा सेक्टर -3 , में प्लोट नंबर 89 नरसिंह बहेरा के बिल्डिंग में रह रहे बादल वणजारा नामक युवक ओटो-रिक्सा रमेश की दुकान के सामने पार्किग कर रहा था जिसको मना करने पर बादल वणजारा गुस्से में आग-बबूला हो कर मारा-मारी करने लगे और अपने अन्य दोस्तों को बुलाया,उसके दोस्तों ने लकडा-फटका सलिया लेकर आये और दुकानदार और दो बच्चों को ठीक-मुक्का का मार कर बेहाल कर दिया. उस समय पुलिस घटना स्थल पर आ पंहुचा, उस समय मार-पीट कर रहे तीन लोगों को पकडा औरमार-पीट में घायलावस्था में दो-लोगों के नई सिविल होस्पिटल में पहुचाया जहां पर रमेंश कलाल और अन्य एक व्यकित की नईसिविल में मेडिकल ओफिसर के निगरानी में हैं, इस घटना के बाद इस विस्तार के सुडा सेक्टर 1,2,3, के सभी वेपारीयों ने अपनी दुकान बंद कर विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस प्रशसान के पास उचित न्याय की माँग किया अगर उचित न्याय नही मिलता हैं तो सुरत पुलिस कमिश्नर को आदेवन देकर अपनी माँग रखेगे।

एडीसी बैंक मानहानि केस: राहुल गांधी-सुरजेवाला को कोर्ट ने जारी किया नोटिस

(जी.एन.एस) ता. 08 अहमदाबाद।

गुजरात के अहमदाबाद मेट्रो कोर्ट ने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी के प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने नोटिस जारी कर कांग्रेस के दोनों नेताओं को अहमदाबाद जिला सहकारी (एडीसी) बैंक द्वारा दायर मानहानि केस में 27 मई को अदालत में पेश होने को कहा है। ये मामला नोटबंदी के बाद 5 दिनों के भीतर 750 करोड़ रुपये बदलने के मामले इस बैंक के शामिल होने के आरोपों से जुड़ा है। एडीसी बैंक और अध्यक्ष अजय पटेल की तरफ से इस मामले में याचिका दायर की गई थी जिसमें कहा गया था कि इन दोनों नेताओं ने बैंक के खिलाफ आरोप लगाए।

इस मामले में मैट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ने सीआरपीसी की धारा 202 के तहत अदालती जांच का आदेश दिया था। बता दें कि 8 नवंबर 2016 को पीएम मोदी ने 500 और 1000 रु की नोट बंद करने का ऐलान किया था। बैंक का कहना है कि नोटबंदी के इस ऐलान के बाद राहुल गांधी और सुरजेवाला ने कथित पर आरोप लगाए थे इस बैंक ने नोटबंदी के ऐलान के 5 दिनों के भीतर 749.60 करोड़ रु पुराने नोट जमा कराए थे। एक एक्टिविस्ट द्वारा दायर आरटीआई के जवाब के आधार पर राहुल गांधी और सुरजेवाला ने आरोप लगाए थे। कांग्रेस अध्यक्ष ने इस मामले पर एक ट्वीट भी किया था।

राहुल गांधी ने 22 जून को ट्वीट किया था बधाई हो अमित शाह जी, डायरेक्टर अहमदाबाद जिला सहकारी बैंक, आपके बैंक को पहले पांच दिनों में 750 करोड़ के पुराने नोट बदलने के लिए पहला पुरस्कार मिला है। लाखों भारतीयों की जिंदगी नोटबंदी में तबाह हो गई, आपकी इस उप्लब्धि को सलाम'। जबकि एडीसी बैंक के वकील एस वी राजू ने अर्जी में कहा था कि दोनों कांग्रेस नेताओं की ओर से दिया गया बयान झूठा था क्योंकि बैंक ने इतनी बड़ी राशि बदली ही नहीं थी।

किशोरी के यौन शोषण के आरोप में माता-पुत्र गिरफ्तार

अहमदाबाद। शहर के एक महिला ने किशोरी को उसका कपड़े बदलते वक्त का वीडियो बनाया और उसके जरिए ब्लैकमेल कर अपने पुत्र के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाने का मजबूर किया। महिला के पुत्र ने इस वीडियो के जरिए करीब डेढ़ साल तक किशोरी का यौन शोषण किया। मामला पुलिस थाने में पहुंचने पर माता-पुत्र को गिरफ्तार कर कानूनी कार्यवाही की गई है। अहमदाबाद के विंझोल गांव निवासी 15 वर्षीय किशोरी के घर के निकट रहनेवाली रेखा नामक महिला अपने घर से ड्रेस इत्यादि बेचती है। रेखा ने अपने घर के आसपास रहनेवाली युवती और महिलाओं को ड्रेस देखने अपने घर बुलाया था। जहां 15 वर्षीय किशोरी भी ड्रेस खरीदने पहुंच गई। जहां किशोरी को एक ड्रेस अच्छा लगा और वह ट्रायल लेने के लिए दूसरे कमरे में चली गई। उस वक्त रेखा ने किशोरी के कपड़े बदलते वक्त उसका वीडियो बना लिया और उसके आधार पर अपने पुत्र के साथ किशोरी को जबरन शारीरिक संबंध बनाने को मजबूर किया।

गणगौर पर्व की पूर्णाहुति , निकली शाही सवारी

सूरत। सोलह दिवसीय गणगौर पर्व की पूर्णाहुति चैत्र शुक्ल तृतीया सोमवार हुई। इस दौरान शहर के कई इलाकों से गणगौर की सवारी निकाली। सोमवार को गणगौर की विदाई चैत्र शुक्ल तृतीया के मौके पर सोमवार को हुई और शहर में गणगौर की मुख्य सवारी परवत पाटिया इलाके से निकाली। महिलाएं ईसर-गौर की पूजा कर भावभीनी विदाई दी।

श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा गणगौर के अवसर पर विशाल गणगौर उत्सव का आयोजन सोमवार दोपहर 4 बजे से श्री श्याम मंदिर के अंजनी हॉल में किया । कांता सोनी एवं राधा अग्रवाल ने बताया कि इस मौके पर हॉल को सजाया एवं दोपहर 4 बजे से महिलाओं द्वारा घूमर नृत्य सहित अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किए। इस दौरान सभी महिलाएं पारम्पारिक वेशभूषा में मौजूद रही। इसके पश्चात शाम 6 बजे गणगौर की शाही सवारी निकाली। जिसमें महिलाए बैंड-बाजा के साथ शामिल हुई।

लिम्बायत पुलिस स्टेशन क्षेत्र में रोड़ पर मीठीखाड़ी भाठेना में मोबाइल छीना

सूरत। रविवार लिम्बायत पुलिस स्टेशन विस्तार मीठीखाड़ी के पास भाठेना ब्रिज पर चढते ही अनजान लुटेरों ने अमित ईश्वर भाई वैष्णव का मोबाइल फोन छीन लिया।

पुलिस सूत्रों से मिली सूचना के अनुसार अमित इश्वर भाई वैष्णव मीठी खाडी से ओवर ब्रिज पर भाठेना से लगभग 10.30 बजे 5 अप्रैल 2019 में जा रहे थे। अज्ञात लुटेरे बाइक पर पीछे से आये और पीछे बैठे युवक ने उनकी जेब से एम आई ए-1 (ब्लैक 64 जीबी) जिसका आई.ई.एम.आई नं. 8 66410038783449 है तथा इसकी कीमत पांच हजार रुपए है। नि. छत्रपति शिवाजी नगर बमरौली रोड़ उधना उपरोक्त संदर्भ में अमित ईश्वरभाई वैष्णव ने ता. 7/4/2019 में रात 20.25 पर पी. एस.ओ. में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मामले की जांच प्रो. पु. स. ई. एन.एम जोशी कर रहे है।

साढे पैतीस लाख की साड़ियां लेकर पेमेन्ट के बजाय दी जान से मारने की धमकी

सूरत। रविवार सूरत स्थित सलाबतपुरा पुलिस स्टेशन क्षेत्र स्थित न्यु टेक्सटाइल मार्केट रिंग रोड़ सूरत के महेश भाई रामअवतार जोगानी ने पुलिस में ता. 4/4/2019 में फरियाद दर्ज कराई है कि साढे पैतीस लाख की साड़ियां उधार लेने के बाद हैदराबाद के व्यापारियों ने पेमेन्ट देने के बजाय हाथ पैर तोड़ने एवं जान से मारने की धमकी दी है।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार महेश भाई रामअवतार की न्यू टेक्सटाइल मार्केट में साड़ियों की दुकान है उपरोक्त दुकान पर तीन माह पूर्व राजेन्द्र अग्रवाल जानपुरा बालाजी टेक्सटाइल एजेन्सी के मालिक एसोसियेट बिल्डिंग बी.जी मार्केट के पास हैदराबाद निवासी व किशोर भाई गणपति सिल्क मिल्स के मालिक तथा हैदराबाद एल.बी. नगर एल.पी.टी मार्केट आदि सात पार्टीयों ने मीठी मीठी बाते कर 35,43,424 रुपये की साड़ियां 90 दिन बाद पेमेन्ट के बायदे पर ले गए थे किन्तु समय पुरा होने के बाद भी पेमेन्ट न आने पर महेश भाई ने जब पेमेन्ट का तकादा किया तो पहले तो टाल मटोल करते रहे और अब पेमेन्ट देने की बजाय उपरोक्त आरोपी हाथ पैर-तोड़ने व जाने से मारने की धमकी देते है तथा पेमेन्ट देने के लिए साफ मना कर दिया इस प्रकार प्रार्थी महेश भाई ने आई.पी.सी की धारा 406,420,504 व 506 के तहत केस दर्ज कराया है। मामले की जांच अ.हे.कां. दिलीप भाई बलवंद भाई कर रहे है।

सवाल ये उठता है कि पहले नोट बन्दी, फिर जी.एस.टी इसके बाद इ. वे बिल इन समस्याओं से जूझते व्यापारियों को अगर इस तरह से धोखाधड़ी का भी सामना करना पड़े तो उनकी हालत क्या होगी? ये तो पाठकगण स्वंय विचार कर सकते है कि वे मार्केट में किस तरह से टिक सकेंगे जबकि जनरल लायबिलिटीज अपनी जगह है। आए दिन सूरत शहर की कपड़ा मार्केट से पार्टी उठने और व्यापारियों द्वारा धोखाधड़ी करने का माला प्रकाश में आ रहा है।

सचिन के बोलन्द गाम में खेतर में ताला तोड़कर चोरी

सूरत। सोमवार सूरत सचिन पुलिस स्टेशन विस्तार के बोलन्द गाम के ब्लाक नं. 312 वाली जमीन के खेतर में बने फरियादी उर्मिबेन निलेशभाई नगर सेठ निवासी सी-4 धर्म पैलेस आनन्द महल रोड़ सूरत के दो कमरे के मकान का अनजान चोरों ने ताला तोडकर घर में घुसे तथा घर में लगा पंखा-1 नग तथा बाथरुम के तथा रसोड़ा के पैनल को मिलाकर कुल 9 नल, गाइन्डर मशीन, कुल मिलाकर लगभग 7200 रु की कीमत का माल सामान ले जाने के साथ ही लगभग 500 रुपये मूल्य के वास बेसिन को भी नुकसान पहुचाया है।

भैतिक सुखों के पीछे प्रभु को भुलिये नहीं निरंकारी संत

सूरत। सोमवार को सूरत गोड़ादरा रेल्वे फाटक के पास आयोजित निरंकारी संत स मागम में दिल्ली से पधारे निरंकारी प्रचारक शुभकरण ने सत्संग में आये श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मानव संसारिक चमक एंव भैतिक सुखों में इस तरह लिप्त हो गया है कि वह परमात्मा को भी भूल गया है। ऐसे में संत मनुष्यों को जागृत करने का कार्य करते है। उन्होंने बताया कि स ंत मानव को परमात्व से मिलाने में सहायक होता है। संत सदैव मानव को भौतिकता से निकालकर आध्यात्मिकता की और अग्रसर करता है।

निरंकारी संत ने बताया की आध्यात्मिक ग्रांथ हमे परम तत्व से जुड़ने की शिक्षा देती है। निरंकारी मिशन की मार्गदर्शक सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज आज मानव समाज को परमतत्व से जोड़ने का कार्य कर रही है। दिल्ली से आये संत शुमकरण जी केन्द्रीय सेवादल के मुख्य संचालक भी है इन्होंने सतसंग से पूर्व दक्षिण गुजरात की सभी शाखाओं की सक्रिय सेवादल की सेवा भावनाओं से ओत प्रोत किया है।

सूरत जोन के जोनल इन्चार्ज ओमकार सिह ने आये संत का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)